दूरसंचार विभाग, भारत सरकार

संचार भवन, 20, अशोक रोड, नई दिल्ली - 110 001

सत्यमेव जयते

मोबाइल टावर तथा हैंडसेटः इनके विकिरणों से सुरक्षा को सुनिश्चित करना

भारत ने विश्व का सर्वाधिक सख्त विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र (ई0एम0एफ0) प्रभावन मानकों वाला मानक अपनाया है ।
दूरसंचार विभाग, भारत सरकार द्वारा इस संबंध में किए गए उपाय इस प्रकार हैः

मोबाइल टावरः ईएमएफ से सुरक्षा संबंधी मानकः

- ईएमएफ प्रभावन सीमा (बेस स्टेशन उत्सर्जन) को कम करके दिनांक 1 सितंबर, 2012 की प्रभावी तिथि से मौजूदा आईसीएनआईआरपी प्रभावन स्तर के 1/10वें भाग तक कर दिया गया है । फिलहाल, भारत ने विश्व के सर्वाधिक सख्त ईएमएफ प्रभावन मानकों वाला मानक अपनाया है ।
- दूरसंचार विभाग के दूरसंचार प्रवर्तन संसाधन एवं निगरानी (टी0ई0आर0एम0) प्रको-ठों को यह कार्य सौंपा गया है कि वे सेवा प्रदाताओं द्वारा प्रस्तुत स्व-प्रमाणन के आधार पर इसकी जांच करें । टीईआरएम प्रको-ठ यादृच्छिक आधार पर 10 प्रतिशत बी0टी0एस0 स्थल तथा सार्वजनिक शिकायत प्राप्त सभी मामलों के बारे में जांच करेंगे ।
- दूरसंचार इंजीनियरी केंद्र ने दिनांक 1 सितम्बर, 2012 की तिथि से लागू नए मानकों के अनुरूप बीटीएस टावरों के लिए ईएमएफ मानकों के अनुपालन के सत्यापन के लिए ईएमएफ के मापन की जांच प्रक्रिया संशोधित की है ।
- ईएमएफ मानकों का अनुपालन नहीं किए जाने की स्थिति में, प्रति सेवा प्रदाता पर प्रति बीटीएस 5 लाख रूपए की शास्ति लगाई जाएगी ।

मोबाइल हैंडसेट

- भारत ने मोबाइल हैंडसेटों के लिए सर्वाधिक सख्त अंतररा-ट्रीय मानक अपनाए हैं ।
- मोबाइल हैंडसेटों के सभी नए डिजाइनों में दिनांक 1 सितंबर, 2012 की तिथि से लागू 1 ग्राम मानव तंतु के लिए औसतन 1.6 वाट/कि0ग्रा0 के एसएआर मान का अनुपालन किया जाए ।
- मौजूदा डिजाइन वाले मोबाइल हैंडसेट, जिनमें 10 ग्राम मानव तंतु पर औसतन 2.0 वाट/कि0ग्रा0 के मानक अपनाए गए हैं, भी दिनांक 31 अगस्त, 2013 तक उपयोग में रहेंगे । दिनांक 1 सितंबर, 2013 से 1.6 वाट/कि0ग्रा0 के संशोधित एसएआर मान वाले मोबाइल हैंडसेटों का ही भारत में विनिर्माण या आयात करने की अनुमति होगी ।
- मोबाइल हैंडसेट पर विशि-ट अवशो-ाण दर (एसएआर) मान संबंधी सूचना का उल्लेख आईएमईआई (अंतररा-ट्रीय मोबाइल उपस्कर पहचान) के रूप में किया जाएगा । एसएआर मान संबंधी सूचना उपभोक्ता को बिक्री केंद्र पर ही उपलब्ध कराई जाएगी ।
- भारत में विनिर्मित तथा बेचे गए या अन्य देशों से भारत में आयातित मोबाइल हैंडसेटों की जांच व-र्ा 2012 के अंत तक टीईसी एसएआर प्रयोगशाला के स्थापित होने के बाद एसएआर सीमा के अनुपालन हेतु यादृच्छिक आधार पर की जाएगी । इस अंतरिम अवधि के दौरान अंतररा-ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं से प्राप्त जांच परिणाम स्वीकार्य होंगे ।
- भारत के बाजार में बेचे गए सभी सेल फोन हैंडसेट में संगत मानकों का अनुपालन किया जाएगा तथा वे हैंड फ्री मोड में उपलब्ध होंगे ।

भ्रम एवं तथ्यः मोबाइल हैंडसेटों तथ मोबाइल बेस स्टेशनों के संबंध में विभिन्न प्रकार के निम्नलिखित भ्रम हैं :

भ्रम	तथ्य
मोबाइल फोन का उपयोग करने से सिरदर्द होता है ।	मोबाइल फोन के उपयोग और सिरदर्द होने में कोई संबंध नहीं है तथा इस संबंध में कोई वैज्ञानिक साक्ष्य नहीं है ।
कार में मोबाइल फोन का उपयोग करना सुरक्षित होता है क्योंकि कार में विकिरण से बचाव होता है ।	कार में मोबाइल फोनों का उपयोग करने पर आरएफ विकिरण से होने वाला खतरा बढ़ जाता है क्योंकि विकिरण कार से बाहर नहीं निकल पाता है ।
मोबाइल फोन का उपयोग करने से ब्रेन कैंसर होता है ।	ऐसा कोई वैज्ञानिक साक्ष्य नहीं है कि मोबाइल फोन का उपयोग करने से कैंसर होता है ।
मोबाइल बेस स्टेशन खतरनाक हैं तथा लोगों को इससे दूर ही रहना चाहिए ।	हमें एंटिना से दूर रहने की आवश्यकता है न कि टावर से । टावर से भी असुरक्षा तभी होती है जब हम एंटिना के सामने समान ऊंचाई पर खड़े हों । जमीन पर, बेस स्टेशन से होने वाले आरएफ विकिरण की तीव्रता काफी कम होती है ।
रेडियो आवृति (आरएफ) विकिरण से स्वास्थ्य पर होने वाले दु-प्रभाव की कोई जांच नहीं की जा रही है ।	विश्व स्वास्थ्य संगठन, अनेक रा-ट्रीय एवं अंतररा-ट्रीय संगठन तथा स्वतंत्र विशे-ाज्ञ समूह आरएफ विकिरण से मानव स्वास्थ्य पर होने वाले दु-प्रभावों की जांच करने में समन्वय कर रहे हैं ।

मोबाइल प्रयोक्ताओं के लिए एहतियाती दिशा निर्देश

1. दूरी बनाकर रखें - मोबाइल फोन को अपने शरीर से यथा संभव दूरी पर रखें ।
2. हैंडसेट को सिर से दूर रखने के लिए हेडसेट (तारशुदा या ब्लूटूथ) का उपयोग करें ।
3. कृपया मोबाइल हैंडसेट को सिर से लगाकर ना रखें । रेडियो आवृति (आरएफ) ऊर्जा इसके स्त्रोत से दूरी के अनुसार कम होती है ।
4. मोबाइल कॉल की अवधि को सीमित रखें ।
5. जहां तक संभव हो, वॉएस कॉल की जगह टेक्स्ट का प्रयोग करें ।
6. रेडियो सिग्नल अपर्याप्त होने पर, मोबाइल फोन की पारे-ाण शक्ति बढ़ जाती है । पर्याप्त सिग्नल के साथ बात करने का प्रयास करें तथा फोन पर बात करते समय स्थिर रहने का प्रयत्न करें । जिस स्थान पर सिग्नल क्षमता अधिक हो, वहाँ ही मोबाइल फोन का उपयोग करें ।
7. अपने कान के पास हैंडसेट ले जाने या वार्तालाप करने तथा सुनने के पहले कॉल को कनेक्ट करें - मोबाइल फोन पहले सर्वाधिक ऊर्जा के विकिरण के साथ संचार आरंभ करता है जो बाद में घटते हुए पर्याप्त स्तर तक आ जाती है । कॉल कनेक्ट करने के दौरान अधिक ऊर्जा का विकिरण होता है ।
8. यदि आपके पास लैंडलाइन फोन का विकल्प हो तो मोबाइल फोन की जगह तारशुदा लैंडलाइन फोन का उपयोग करें ।
9. जिन लोगों के शरीर में सक्रिय रूप से कार्यरत कृत्रिम अंग लगा हो वे इन कृत्रिम अंगों से मोबाइल फोन को कम से कम 15 से.मी. की दूरी पर रखें ।
10. मोबाइल हैंडसेट खरीदते समय उसके एसएआर मान की जांच करें । यदि मोडल नम्बर तथा विनिर्माण संबंधी जानकारी उपलब्ध हो तो इसके बारे में इंटरनेट पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है

प्रयोगशाला में किए गए अधिकांश अध्ययनों से रेडियो आवृति विकिरण और स्वास्थ्य पर होने वाले दु-प्रभाव के बीच में सीधा संबंध सिद्ध नहीं हुआ है । सरकार द्वारा इस संबंध में किए गए उपाय तथा मोबाइल संचार-रेडियो तरंग तथा संरक्षा के बारे में पुस्तिका दूरसंचार विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है । अधिक जानकारी के लिए कृपया **http:/www.dot.gov.in** वेबसाइट देखें । यह सुनिश्चित किया जाता है कि सरकार जन संरक्षा तथा मानव स्वास्थ्य को पूरी तरह से मद्देनजर रखते हुए ही पूरे देश में सर्वाधिक संभावित दूरसंचार सेवा उपलब्ध कराएगी । विशि-ट टावरों से निकलने वाले उत्सर्जन के बारे में किसी प्रकार की पूछताछ करने/आशंका दूर करने हेतु राज्य स्तर पर स्थानीय दूरसंचार प्रवर्तन संसाधन निगरानी (टीईआरएम) प्रको-ठ अधिकारी से संपर्क करें ।